मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 08 अक्टूबर 2021

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	08/10/20	09/10/20	10/10/20	11/10/20	12/10/20
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	37	37	37	36	36
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	25	25	25	24	24
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	0	0	0	1	3
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	45	44	51	51	49
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	19	19	20	23	27
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	16	18	17	11	8
हवा की दिशा	पष्चिम–दक्षिण–पष्चिम	पष्चिम–दक्षिण–पष्चिम	पष्चिम–दक्षिण–पष्चिम	पष्चिम–दक्षिण–पष्चिम	पष्चिम–उत्तर–पष्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

फसल	अवस्था	सलाह
मौसम		आने वाले पांच दिनों में वर्षा नहीं होने की सम्भावना है।
सामान्य		जहाँ खरीफ की फसले परिपक्व अवस्था में हों वहाँ फसल की कटाई कर खेत खाली करें व सरक्षित नमी में सरसों व चने की बुवाई हेतु खेतों की तैयारी करें।
		रबी फसलों की बुवाई से पूर्व खाली खेत में 8.10 टन गोबर की खाद प्रति हैक्टेयर में डालें जो मृदा के भौतिक व जैविक गुणों को बडाती है तथा मृदा की जल धारण क्षमता भी बडती है।
चने		चने की बुवाई का उपयुक्त समय सिंचित क्षेत्रों में 25 अक्टूबर तक तथा असिंचित क्षेत्रों में अक्टूबर माह का प्रथम सप्ताह है अतः चने की बुवाई हेतु खाद, बीज तथा बीज उपचार हेतू रसायन की व्यवस्था करें।
सरसों		सरसों की बुवाई का उपयुक्त समय सिंचित क्षेत्रों में 25 अक्टूबर तक तथा असिंचित क्षेत्रों में 15 अक्टूबर तक है अतः सरसों की बुवाई हेतु खाद, बीज तथा बीज उपचार हेतू रसायन की व्यवस्था करें।
मूंगफली		मूंगफली की फसल पकाव अवस्था पर है अगर 80 प्रतिशत फलियां पक

		गई हो तो मूंगफली की खुदाई करें।
कपास		कपास की फसल में दीमक के नियंत्रण के लिए 4 लीटर क्लोरपायरीफास सिंचाई के साथ दें।
बरसीम		हरे चारे के लिए बरसीम की मसकावी व वरदान उन्नत किस्मों की बुवाई करें।

(नौडल ऑफीसर)